RBSE BOARD कक्षा - 9 | हिंदी | क्षितिज

अध्याय-9 | सवैये | रसखान

Worksheet-1

JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN

बहुविकल्पी प्रश्न

1. निम्नलिखित में से कौन-सी रचना रसखान की नहीं है?

(अ) प्रेम वाटिका (ब) सुजान रसखान
(स) प्रेम पच्चीसी (द) अष्टयाम

2. सवैये के आधार पर बताइए कि कृष्ण का स्वांग रचने के बाद भी गोपी किस भाव के कारण बांसुरी को अपने अधरों पर रखना नहीं चाहती ?

(अ) प्रसन्नता के कारण (ब) ईर्ष्या भाव के कारण
(स) घृणा के कारण (द) दु:ख के कारण

3. या मुरली मुरलीधर की अधरान धरी अधरा न धरौंगी' पंक्ति में कौन सा अलंकार है?

(अ) श्लेष (ब) यमक
(स) उपमा (द) रूपक

4. रसखान किसके भक्त थे?

(अ) राम (ब) राधा
(स) शिव (द) श्याम

5. इंद्र से बचाने के लिए श्रीकृष्ण ने कौन से पर्वत को छाते के रूप में धारण किया था। रसखान के 'सवैये' के आधार पर बताइए।

(अ) कंचनजंघा को (ब) अरावली को
(स) गोवर्धन को (द) हिमालय को

6. 'सवैये' के अनुसार गोपियाँ क्या सुनना नहीं चाहती ?

(अ) श्रीकृष्ण की मुरली की धुन (ब) श्रीकृष्ण की बुराई
(स) श्रीकृष्ण की निंदा (द) श्रीकृष्ण की शरारतों के बारे में

7. पक्षी रूप में रसखान कहाँ रहना चाहते है?

(अ) यमुना नदी के किनारे (ब) चन्दन के पेड़ पर
(स) किसी भी पेड़ पर (द) यमुना किनारे कंदब की डाल पर

8. सवैये कौनसी भाषा में रचित है ?

(अ) खड़ी बोली (ब) साहित्यिक खड़ी बोली
(स) अवधी भाषा (द) ब्रज भाषा

9. मुरली से गोपी ईर्ष्या क्यों करती थी?

(अ) मुरली उनको चिढ़ाती थी (ब) मुरली केवल कृष्ण की बात मानती थी
(स) मुरली कृष्ण के मुँह लगी थी (द) उन्हें मुरली बजानी नहीं आती थी

मिशन ज्ञान
पढ़ें : जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
VIDEO COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

10. कवि रसखान ब्रज के वन, बाग़ और तालाब के साथ क्या करना चाहते हैं?

(अ) उनमें डूबना (ब) उन्हें निहारना

(स) उन्हें त्यागना (द) उनमें बैठना

रिक्त स्थान :

11. मनुष्य के रूप में रसखान कवि _____ बसना चाहते हैं।

12. सवैये काव्य के संदर्भ में गोपियाँ _____ ईर्ष्या करती है।

सत्य / असत्य

13. रसखान पशु-पक्षी के रूप में पुनर्जन्म लेना चाहते हैं।

14. सवैये काव्य के संदर्भ में श्रीकृष्ण हमेशा पूजा करने में लीन रहते हैं।

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

15. सखी ने गोपी से कृष्ण का कैसा रूप धारण करने का आग्रह किया था? अपने शब्दों में वर्णन कीजिए।

16. भाव स्पष्ट कीजिए- माइ री वा मुख की मुसकानि सम्हारी न जैहै, न जैहै, न जैहै।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

17. गोपी कृष्ण की मुरली को होंठों पर क्यों नहीं रखना चाहती है?

18. श्रीकृष्ण ने ब्रजवासियों को अपने वश में किस प्रकार कर रखा था?

निबंधात्मक प्रश्न

19. ब्रजभूमि के प्रति कवि रसखान का प्रेम किन-किन रूपों में अभिव्यक्त हुआ है?"

20. आशय स्पष्ट कीजिए —

कानन दै अँगुरी रहिबो जबहीं मुरली धुनि मंद बजैहै।
मोहिनी तानन सों रसखानि अटा चढि गोधन गैहै तौ गैहै।।
टेरि कहौं सिगरे ब्रजलोगनि काल्हि कोऊ कितनो समुझैहै।
माइ री वा मुख की मुसकानि सम्हारी न जैहै, न जैहै, न जैहै।।

HOTS

21. रसखान का ब्रजभूमि के प्रति विशेष प्रेम अभिव्यक्त हुआ है। यह प्रेम हमें क्या सीख देता है?

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video Courses | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

Under CSR Support by
ipca | Foundation
missiongyan
JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN

1. (स) प्रेम पच्चीसी की रचना रसखान ने नहीं की है।
2. (ब) गोपी को बांसुरी से ईर्ष्या है क्योंकि बांसुरी हर समय कृष्ण के होंठों पर रहती है। गोपी का मानना है कि इसी बांसुरी के कारण कृष्ण हमारे समीप नहीं है।
3. (ब) 'मुरली' का अर्थ 'वंशी' और 'मुरलीधर' का अर्थ 'मुरली को धारण करने वाला' 'अधरान' का अर्थ 'अधरों पर' और 'अधरा न' का अर्थ 'अधरों पर नहीं' होने के कारण यहाँ यमक अलंकार है।
4. (द) रसखान श्याम अर्थात कृष्ण के भक्त थे।
5. (स) इंद्र के प्रकोप से ब्रजवासियों को बचाने के लिए श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पर्वत को छाते के रूप में अपनी उंगली पर धारण किया था।
6. (अ) वाख काव्य के संदर्भ में कवयित्री ने सर्वत्र के लिए
7. (द) यमुना किनारे कंदब की डाल पर
8. (द) कवि रसखान ब्रजभूमि में रहते थे इसलिए उनके काव्य ब्रजभाषा में रचित हैं।
9. (स) मुरली से गोपियाँ ईर्ष्या करती थी क्योंकि मुरली कृष्ण के मुँह लगी थी।
10. (ब) रसखान कवि ब्रज के वन, बाग़ और तालाब को निहारना चाहते हैं क्योंकि वहाँ श्रीकृष्ण बंसी बजाया करते थे और रासलीला किया करते थे।
11. **रिक्त स्थान :** गोकुल गाँव के ग्वालों के बीच
12. **रिक्त स्थान :** कृष्ण की मुरली से
13. **सत्य / असत्य :** असत्य
14. **सत्य / असत्य :** असत्य
15. सखी गोपी को वही सब कुछ धारण करने को कहती है, जो श्रीकृष्ण धारण किया करते थे। वह गोपी से कहती है कि सिर पर मोर के पंख का मुकुट, गले में कुंजों की माला, तन पर पीले वस्त्र धारण कर तथा हाथ में लाठी लिए वन-वन गायों को चराने जाए।
16. गोपी को श्रीकृष्ण की मुस्कान इतनी सुंदर लगती है कि इसे देखकर वह अपना होश-हवास खोकर विवश हो जाती है और स्वयं को सँभाल नहीं पाती है। वह श्रीकृष्ण के प्रति पूर्णतया समर्पित हो जाती है।
17. गोपी को महसूस होता है कि उसके और कृष्ण के बीच मुरली ही बाधक है। इस मुरली के कारण ही वह कृष्ण को सामीप्य पाने से वंचित रह जाती है। वह सोचती है कि कृष्ण उससे ज्यादा मुरली को चाहते हैं। यह मुरली ही कृष्ण और उसके बीच दूरी को कारण है।
18. श्रीकृष्ण का रूप अत्यंत मोहक है। उनकी मधुर मुस्कान एक ओर जहाँ उनकी सुंदरता को और बढ़ाती है वहीं दूसरी ओर ब्रजवासियों को अपनी ओर आकर्षित कर लेती है। इसके अलावा उनकी मुरली की मधुर तान तथा उनका गोधन गायन लोगों पर जादू-सा असर करता है। इस तरह कृष्ण ने ब्रजवासियों को अपने वश में कर रखा था।
19. कवि श्रीकृष्ण की रासलीला भूमि ब्रज के प्रति अपना प्रेम निम्नलिखित रूपों में अभिव्यक्त करता है—

i. कवि अगले जन्म में मनुष्य रूप में जन्म लेकर ब्रज में ग्वाल-बालों के बीच बसना चाहता है।
ii. वह पशु के रूप में जन्म मिलने पर नंद बाबा की गायों के मध्य चरना चाहता है।
iii. वह उसी गोवर्धन पर्वत का हिस्सा बनना चाहता है, जिसे श्रीकृष्ण ने अपनी उँगली पर उठाया था।
iv. वह पक्षी बनकर उसी कदंब के पेड़ पर बसेरा बनाना चाहता था, जहाँ कृष्ण रास रचाया करते थे।
v. कवि ब्रज के वन, बाग और तड़ाग (तालाब) का सौंदर्य देखते रहना चाहता है।

20. भक्तशिरोमणि रसखान ने इन पंक्तियों में गोपियों के कृष्ण प्रेम का वर्णन किया है, वो चाहकर भी कृष्ण को अपने दिलो-दिमाग से निकल नहीं सकती हैं। इसीलिए वे कह रही हैं कि जब कृष्ण अपनी मुरली बजाएंगे, तो वो उससे निकलने वाली मधुर ध्वनि को नहीं सुनेंगी।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
VIDEO COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

वो सभी अपने कानों पर हाथ रख लेंगी। उनका मानना है कि भले ही, कृष्ण किसी महल पर चढ़ कर, अपनी मुरली की मधुर तान क्यों न बजायें और गीत ही क्यों न गाएं, जब तक वो उसे नहीं सुनेंगी, तब तक उन पर मधुर तानों का कोई असर नहीं होने वाला।

लेकिन अगर गलती से भी मुरली की मधुर ध्वनि उनके कानों में चली गई, तो फिर हम अपने वश में नहीं रह पाएंगी। फिर चाहे हमें कोई कितना भी समझाए, हम कुछ भी समझ नहीं पाएंगी। गोपियों के अनुसार, कृष्ण की मुस्कान इतनी प्यारी लगती है कि उसे देख कर कोई भी उनके वश में आए बिना नहीं रह सकता है।

इसी कारणवश, गोपियाँ कह रही हैं कि श्री कृष्ण का मोहक मुख देख कर, उनसे ख़ुद को बिल्कुल भी संभाला नहीं जाएगा। वो सारी लाज-शर्म छोड़कर श्री कृष्ण की ओर खिंची चली जाएँगी।

21. रसखान कृष्ण से प्रेम करते हैं साथ ही कृष्ण से जुड़ी ब्रजभूमि के वन, बाग, तालाबों आदि के प्रति भी अपना प्रेम प्रकट करते हैं। इससे हमें यह सीख मिलती है कि हमें भी अपनी मातृभूमि के एक-एक तत्त्व से प्रेम करना चाहिए। यह हमारा पालन-पोषण तो करती है साथ ही हमें बलिष्ठ बनाती है। अपनी मातृभूमि पर आने वाले हर संकट का वीरतापूर्वक सामना करके इसकी रक्षा करनी चाहिए।

मिशन ज्ञान
पढ़ें : जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App